गुण संधि

⇒ यदि अ या आ के बाद इ या ई रहे तो दोनों को मिलाकर 'ए' हो जाता है। यदि अ या आ के बाद उ या ऊ रहे तो दोनों को मिलाकर 'ओ' हो जाता है। यदि अ या आ के बाद ऋ रहे तो दोनों को मिलाकर 'अर्' हो जाता है।

यथा :-

अ / आ + इ / ई = ए (े)
अ / आ + उ / ऊ = ओ (ो)
अ / आ + ऋ = अर् (र्)

उदाहरण	वर्णों का मेल	नया वर्ण
परम + ईश्वर: = परमेश्वर:	अ + ई	ए (े)
लम्ब + उदर: = लम्बोदर:	अ + उ	ओ (ो)
राका + ईश: = राकेश:	आ + ई	ए (े)
महा + ईन्द्र: = महेन्द्र:	आ + ई	ए (े)
महा + ऋषि: = महर्षि:	आ + ऋ	अर् (र्)
गण + ईश: = गणेश:	अ + ई	ए (े)
महा + उदय: = महोदय:	आ + उ	ओ (ो)
मास + ऋतु: = मासर्तु:	अ + ऋ	अर् (र्)
सूर्य + उदय: = सूर्योदय:	अ + उ	ओ (ो)

यण् - संधि

⇒ यदि इ, ई, उ, ऊ, ऋ और ऌ के बाद अपने से कोई भिन्न स्वर हो तो इ, ई का य्, उ, ऊ का व्, ऋ का र् तथा ऌ का ल् हो जाता है।

यथा :-

(इ उ ऋ ऌ को करे य् व् र् ल् यण् हेतु)

नोट - संस्कृत में ऌ भी एक स्वर है।

उदाहरण	वर्णों का मेल	नया वर्ण
इति + आकर्ण्यः = इत्याकर्ण्य	इ + आ	या
इति + उक्त्वा = इत्युक्त्वा	इ + उ	यु
धातृ + अंश = धात्रंश	ऋ + अ	र
ऌ + आकृतिः = ऌाकृतिः	ऌ + आ	ला
अति + उक्तिः = अत्युक्तिः	इ + उ	यु
यदि + अपि = यद्यपि	इ + अ	य
अति + आचारः = अत्याचारः	इ + आ	या
पितृ + आदेशः = पित्रादेशः	ऋ + अ	र
स्वु + आगतम् = स्वागतम्	उ + आ	वा